मूल निवासियों का विस्थापन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» यूरोपीय साम्राज्यवाद और उपनिवेशीकरण का उदय

प्रश्न 1 (आसान). यूरोप के किन्हीं तीन देशों के नाम बताइए जिन्होंने उपनिवेश स्थापित किए।
उत्तर – स्पेन, पुर्तगाल, इंग्लैंड।

प्रश्न 2 (आसान). उपनिवेशीकरण से आपका क्या मतलब है?
उत्तर – जब एक ताकतवर देश किसी दूसरे इलाके पर अपना राजनीतिक और आर्थिक नियंत्रण स्थापित करता है।

प्रश्न 3 (मध्यम). यूरोपीय देश व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार क्यों करना चाहते थे?
उत्तर – उन्हें अपने उद्योगों के लिए नए बाज़ार और सस्ते कच्चे माल की ज़रूरत थी, जिससे उन्हें अधिक मुनाफा हो।

प्रश्न 4 (कठिन). साम्राज्यवाद और उपनिवेशीकरण में क्या संबंध है?
उत्तर – साम्राज्यवाद एक बड़ी विचारधारा है जिसमें एक देश अपनी शक्ति और प्रभाव को बढ़ाता है, और उपनिवेशीकरण उस साम्राज्यवाद को लागू करने का एक तरीका है, जहां वे दूर के इलाकों पर सीधे नियंत्रण स्थापित करते हैं।

» 'नयी दुनिया' का नामकरण और भौगोलिक परिचय

प्रश्न 5 (आसान). किस यूरोपीय यात्री के नाम पर 'अमेरिका' का नाम पड़ा?
उत्तर – अमेरिगो वेसपुकी

प्रश्न 6 (आसान). लैटिन भाषा में 'दक्षिण' को क्या कहते हैं, जिससे 'ऑस्ट्रेलिया' का नामकरण हुआ?
उत्तर – ऑस्ट्रल

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर 'न्यूजीलैंड' का नाम डच भाषा के शब्द 'ज़ी' (समुद्र) से आया है, तो इससे हमें क्या पता चलता है कि डच लोगों ने इस जगह को कैसे देखा होगा?
उत्तर – इससे पता चलता है कि डच लोगों के लिए 'न्यूजीलैंड' एक ऐसी जगह थी जो समुद्र से घिरी हुई थी या समुद्र के पास थी, इसलिए उन्होंने इसे 'नया समुद्र' या 'नई समुद्री भूमि' जैसा नाम दिया होगा।

» उत्तरी अमेरिका के मूल निवासी: जीवनशैली और संस्कृति

प्रश्न 8 (आसान). उत्तरी अमेरिका के मूल निवासी एशिया से कितने साल पहले आए थे?
उत्तर – लगभग 30,000 साल पहले।

प्रश्न 9 (आसान). वे ज़मीन को अपनी संपत्ति क्यों नहीं मानते थे?
उत्तर – वे ज़मीन से मिलने वाले भोजन और आश्रय से संतुष्ट थे, उन्हें 'मिल्कियत' की ज़रूरत महसूस नहीं होती थी।

प्रश्न 10 (मध्यम). उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों की जीवनशैली और यूरोपीय लोगों की जीवनशैली में क्या मुख्य अंतर थे?
उत्तर – मूल निवासी नदी घाटी के साथ गाँवों में रहते थे, शिकार और खेती करते थे, सिर्फ़ ज़रूरत अनुसार ही उत्पादन करते थे, और ज़मीन को संपत्ति नहीं मानते थे. वहीं, यूरोपीय लोग बड़े पैमाने पर खेती और व्यापार करते थे, और ज़मीन पर 'मिल्कियत' पर जोर देते थे.

प्रश्न 11 (कठिन). यह कथन 'वे धरती को पढ़ सकते थे' से आप क्या समझते हैं? उदाहरण देकर समझाइए.
उत्तर – इस कथन का अर्थ है कि मूल निवासियों को पर्यावरण और प्रकृति की गहरी समझ थी. वे जलवायु, मौसम के बदलाव और भू-दृश्यों को ऐसे समझते थे, जैसे पढ़े-लिखे लोग कोई किताब पढ़ते हैं. उदाहरण के लिए, वे हवा, बादलों या पौधों के संकेतों को देखकर बता सकते थे कि कब बारिश आएगी या जानवर कहाँ मिलेंगे. यह उनकी जीवित रहने की कला और प्रकृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है.

» यूरोपीय लोगों से मुकाबला और व्यापारिक संबंध

प्रश्न 12 (आसान). यूरोपीय व्यापारी उत्तरी अमेरिका किस उद्देश्य से आए थे?
उत्तर – मछली और रोएँदार खाल का व्यापार करने।

प्रश्न 13 (आसान). यूरोपीय लोगों ने मूल निवासियों को कौन सा नया पदार्थ दिया जिससे उन्हें लत लग गई?
उत्तर – शराब।

प्रश्न 14 (मध्यम). शुरुआत में मूल निवासियों का यूरोपीय लोगों के प्रति व्यवहार कैसा था?
उत्तर – दोस्ताना और गर्मजोशी-भरा।

प्रश्न 15 (कठिन). शराब की लत ने यूरोपीय लोगों को व्यापार में क्या फायदा दिया?
उत्तर – यह उन्हें व्यापार के लिए अपनी शर्तें थोपने में सक्षम बनाया, क्योंकि मूल निवासियों को शराब चाहिए होती थी और इसके लिए वे कुछ भी करने को तैयार हो जाते थे।

» यूरोपीय और मूल निवासियों की परस्पर धारणाएँ

प्रश्न 16 (आसान). यूरोपीय लोगों ने स्वयं को क्या कहा?
उत्तर – सभ्य

प्रश्न 17 (आसान). जीन जैक रूसो ने मूल निवासियों के लिए कौन सा शब्द इस्तेमाल किया?
उत्तर – उदात्त उत्तम जंगली (The Noble Savage)

प्रश्न 18 (मध्यम). विलियम वर्ड्सवर्थ मूल निवासियों की कल्पना शक्ति के बारे में क्या सोचते थे?
उत्तर – वे सोचते थे कि जंगलों में रहने वाले लोगों की कल्पना शक्ति और भावनाएँ बहुत सीमित होती हैं।

प्रश्न 19 (कठिन). यूरोपीय लोगों के 'व्यापार' और मूल निवासियों के 'उपहार' की अवधारणा में क्या अंतर था?
उत्तर – यूरोपीय लोग वस्तुओं को 'माल' मानते थे जिसका उद्देश्य यूरोप में बेचकर मुनाफा कमाना था, जबकि मूल निवासी वस्तुओं के आदान-प्रदान को दोस्ती में दिए गए 'उपहार' के रूप में देखते थे और बाजार या मुनाफे की अवधारणा को नहीं समझते थे।

» संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा का विस्तार

प्रश्न 20 (आसान). कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका का गठन किस सदी में हुआ था?
उत्तर – 18वीं सदी के अंत में।

प्रश्न 21 (आसान). संयुक्त राज्य अमेरिका ने फ्रांस से कौन सा बड़ा क्षेत्र खरीदा था?
उत्तर – लुइसियाना।

प्रश्न 22 (मध्यम). संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा ने अपने क्षेत्र का विस्तार कैसे किया? दो प्रमुख तरीके बताएं।
उत्तर – उन्होंने बड़े क्षेत्र दूसरे देशों से खरीदे (जैसे फ्रांस से लुइसियाना, रूस से अलास्का) और युद्धों में जमीन जीती (जैसे मेक्सिको से)।

प्रश्न 23 (कठिन). क्षेत्रीय विस्तार के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा ने मूल निवासियों के अधिकारों पर क्या रुख अपनाया?
उत्तर – उनके विस्तार में मूल निवासियों की सहमति या अधिकारों को आमतौर पर अनदेखा किया गया। उन्हें अपनी पैतृक भूमि से हटने के लिए मजबूर किया गया और उनकी जमीन बहुत कम कीमतों पर ले ली गई।

» भूमि उपयोग पर भिन्न दृष्टिकोण और दास प्रथा

प्रश्न 24 (आसान). यूरोपीय प्रवासियों के लिए भूमि का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – भूमि को संपत्ति मानकर उस पर खेती कर मुनाफा कमाना।

प्रश्न 25 (आसान). मूल निवासियों के लिए भूमि का क्या महत्व था?
उत्तर – भूमि उनके लिए पवित्र थी, उनके पुरखों और संस्कृति से जुड़ी हुई थी।

प्रश्न 26 (मध्यम). अमेरिका में दास प्रथा क्यों शुरू हुई और इसका अंत कब हुआ?
उत्तर – दक्षिणी इलाकों के बागानों में काम करने के लिए, क्योंकि यूरोपीय लोग गर्म जलवायु में काम नहीं कर सकते थे और मूल निवासियों की दासता विफल रही। यह 1861-65 के गृह युद्ध के बाद समाप्त हुई।

प्रश्न 27 (कठिन). दास प्रथा समाप्त होने के बाद भी अफ्रीकी मूल के अमेरिकियों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?
उत्तर – उन्हें अपनी नागरिक स्वतंत्रताओं और समानता के लिए 20वीं सदी तक संघर्ष करना पड़ा, और स्कूलों तथा ट्रेनों-बसों में अलग रखने की व्यवस्था (नस्लीय भेदभाव) भी जारी रही।

» मूल निवासियों की ज़मीन से बेदख़ली और आरक्षण

प्रश्न 28 (आसान). यूरोपीय लोग मूल निवासियों की ज़मीन को कैसे देखते थे?
उत्तर – यूरोपीय लोग ज़मीन को एक 'संपत्ति' मानते थे जिसे खरीदा-बेचा जा सकता है।

प्रश्न 29 (आसान). 'ट्रेल ऑफ टीयर्स' (आँसुओं की राह) से आप क्या समझते हैं?
उत्तर – यह वह दर्दनाक सफर था जिसमें 'चिरोकी कबीले' के लोगों को उनकी ज़मीन से 'जबरदस्ती हटाकर' दूसरी जगह भेजा गया, और कई लोग रास्ते में ही 'मर गए'।

प्रश्न 30 (मध्यम). उच्च अमेरिकी अधिकारी मूल निवासियों की बेदखली को गलत क्यों नहीं मानते थे?
उत्तर – वे मानते थे कि मूल निवासी ज़मीन का 'अधिकतम उपयोग नहीं' जानते और 'आलसी' हैं, इसलिए ज़मीन उनके पास नहीं रहनी चाहिए। वे उन्हें नागरिक अधिकार भी नहीं देना चाहते थे।

प्रश्न 31 (कठिन). 'रिजर्वेशन' क्या थे और मूल निवासियों के लिए इनका क्या महत्व था?
उत्तर – 'रिजर्वेशन' छोटे, सीमित इलाके थे जहाँ मूल निवासियों को उनकी पारंपरिक ज़मीनों से हटाकर 'बंद कर दिया गया' था। उनके लिए इसका मतलब 'अपनी पहचान', 'संस्कृति' और 'जीवनशैली' से कटाव था, क्योंकि अक्सर इन जगहों से उनका 'कोई पुराना रिश्ता नहीं' होता था।

» गोल्ड रश और उद्योगों की वृद्धि

प्रश्न 32 (आसान). कैलिफ़ोर्निया में 'गोल्ड रश' किस दशक में शुरू हुआ?
उत्तर – 1840 के दशक में।

प्रश्न 33 (आसान). रेलवे के निर्माण से किन दो देशों को जोड़ा गया?
उत्तर – संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा।

प्रश्न 34 (मध्यम). 'गोल्ड रश' का रेलवे के विकास पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – 'गोल्ड रश' की वजह से सोने और लोगों को ले जाने के लिए पूरे उत्तरी अमेरिका में रेलवे-लाइनों का जाल बिछाया गया।

प्रश्न 35 (कठिन). उत्तरी अमेरिका में औद्योगिक वृद्धि के लिए 'गोल्ड रश' के अलावा कौन से कारक जिम्मेदार थे?
उत्तर – 'गोल्ड रश' के अलावा, रेलवे के लिए साजो-सामान बनाने की ज़रूरत, बड़े पैमाने की खेती के लिए यंत्रों का उत्पादन, और यूरोपीय अप्रवासियों की बढ़ती संख्या भी औद्योगिक वृद्धि के लिए जिम्मेदार थे।

» लोकतांत्रिक अधिकार और मूल निवासियों की स्थिति

प्रश्न 36 (आसान). शुरुआत में अमरीका और कनाडा में लोकतांत्रिक अधिकार किन्हें प्राप्त थे?
उत्तर – सिर्फ गोरे लोगों को।

प्रश्न 37 (आसान). मूल निवासियों को नागरिकता से क्यों वंचित रखा गया?
उत्तर – उन्हें 'पिछड़े हुए आदिमानव' माना गया।

प्रश्न 38 (मध्यम). 'इंडियन रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट 1934' का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – मूल निवासियों को 'रिजर्वेशन्स' में ज़मीन खरीदने और ऋण लेने का अधिकार देना।

प्रश्न 39 (कठिन). डेनियल पॉल ने 2000 में अमरीकी लोकतंत्र के बारे में क्या तर्क दिया?
उत्तर – उन्होंने कहा कि 'अमेरिकन मूल निवासियों ने मिसाल बनकर यूरोपीय लोगों के लंबे लोकतंत्रोन्मुखी आंदोलन के बीज बोए थे', यह दर्शाता है कि मूल निवासी समाज का संगठन करने के लिए मॉडल रहे थे, न कि पिछड़े।

» मूल निवासियों के लिए बदलाव की लहर: अधिकार और पहचान

प्रश्न 40 (आसान). मेरियम सर्वे कब प्रकाशित हुआ था?
उत्तर – 1928 में

प्रश्न 41 (आसान). 'इंडियन रीऑर्गनाइजेशन एक्ट' किस साल पारित हुआ था?
उत्तर – 1934 में

प्रश्न 42 (मध्यम). 1950 और 60 के दशकों में सरकारों ने मूल निवासियों के प्रति क्या उम्मीद रखी थी, और क्या मूल निवासियों ने इसे स्वीकार किया?
उत्तर – सरकारों को उम्मीद थी कि मूल निवासी 'मुख्यधारा में शामिल' हो जाएँगे और यूरोपीय संस्कृति अपना लेंगे। लेकिन मूल निवासियों ने इसे स्वीकार नहीं किया और अपनी पहचान बनाए रखने का संघर्ष किया।

प्रश्न 43 (कठिन). 1954 के 'डिक्लेरेशन ऑफ इंडियन राइट्स' में मूल निवासियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका की नागरिकता किस शर्त पर स्वीकार की थी?
उत्तर – उन्होंने इस शर्त पर नागरिकता स्वीकार की कि उनके 'रिजर्वेशन्स वापस नहीं लिए जाएँगे' और उनकी 'परंपराओं में दखलंदाज़ी नहीं की जाएगी'।

» ऑस्ट्रेलिया: मूल निवासियों का आगमन और यूरोपीय उपनिवेशीकरण

प्रश्न 44 (आसान). ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों को किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर – 'एबोरिजिनीज़'

प्रश्न 45 (आसान). वे ऑस्ट्रेलिया में लगभग कितने साल पहले आए थे?
उत्तर – 40,000 साल पहले

प्रश्न 46 (मध्यम). 'स्वप्नकाल' से आप क्या समझते हैं?
उत्तर – 'स्वप्नकाल' ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की एक अवधारणा थी जहाँ वे अतीत और वर्तमान को एक मानते थे; यह उनकी परंपराओं और विश्वासों का हिस्सा था कि वे हमेशा से वहीं थे।

प्रश्न 47 (कठिन). यूरोपीय लोगों के लिए 'स्वप्नकाल' को समझना मुश्किल क्यों था? विस्तार से समझाइए।
उत्तर – यूरोपीय लोग समय को एक सीधी रेखा में देखते थे, जहाँ अतीत और वर्तमान अलग-अलग होते हैं। 'स्वप्नकाल' की अवधारणा में यह अंतर धुंधला हो जाता था, जहाँ पूर्वजों के कार्य आज भी जीवंत माने जाते थे, जो उनकी सोच से बिल्कुल अलग था।

» ऑस्ट्रेलिया का आर्थिक विकास और अप्रवासन नीति

प्रश्न 48 (आसान). ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती आर्थिक विकास के दो प्रमुख स्रोत क्या थे?
उत्तर – भेड़ के फार्म और खदानें।

प्रश्न 49 (आसान). किस प्रकार के प्रवासियों पर ऑस्ट्रेलिया में शुरू में प्रतिबंध लगाए गए थे?
उत्तर – चीनी और अन्य एशियाई प्रवासियों पर।

प्रश्न 50 (मध्यम). 1911 में ऑस्ट्रेलिया की राजधानी के लिए क्या नाम सुझाया गया था और क्यों?
उत्तर – 1911 में राजधानी के लिए 'वूलव्हीटगोल्ड' (WoolWheatGold) नाम सुझाया गया था क्योंकि ये तीनों चीज़ें ऑस्ट्रेलिया की संपन्नता की बुनियाद थीं।

प्रश्न 51 (कठिन). 'गैर-गोरों' को ऑस्ट्रेलिया से बाहर रखने की नीति क्यों अपनाई गई थी? विस्तार से बताइए।
उत्तर – 'गैर-गोरों' को बाहर रखने की नीति 'गैर-गोरों पर बढ़ती हुई निर्भरता से जन्मी घबराहट' के कारण अपनाई गई थी। सरकार को यह डर था कि दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के 'गहरी रंगत वाले' लोग बड़ी तादाद में ऑस्ट्रेलिया आ सकते हैं, जिससे देश की जनसांख्यिकी और सामाजिक संरचना बदल जाएगी। इस नीति का उद्देश्य 'गोरे ऑस्ट्रेलिया' की पहचान बनाए रखना था।

» ऑस्ट्रेलिया में बदलाव की लहर: सांस्कृतिक पुनरुत्थान और भूमि अधिकार

प्रश्न 52 (आसान). ऑस्ट्रेलिया में 'द ग्रेट ऑस्ट्रेलियाई साइलेंस' का मतलब क्या था?
उत्तर – यह इतिहासकारों द्वारा मूल निवासियों के इतिहास और संस्कृति की अनदेखी को दर्शाता था।

प्रश्न 53 (आसान). 1974 के बाद ऑस्ट्रेलिया की राजकीय नीति क्या बन गई थी?
उत्तर – बहुसंस्कृतिवाद।

प्रश्न 54 (मध्यम). हेनरी रेनॉल्ड्स की पुस्तक 'Why Weren't We Told?' किस मुद्दे को उठाती थी?
उत्तर – यह ऑस्ट्रेलियाई इतिहास लेखन की उस प्रवृत्ति की आलोचना करती थी जिसमें मूल निवासियों के इतिहास को अनदेखा कर कैप्टन कुक की 'खोज' से इतिहास की शुरुआत मानी जाती थी।

प्रश्न 55 (कठिन). ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 'टेरा न्यूलिअस' की अवधारणा को क्यों छोड़ा और इसके क्या परिणाम हुए?
उत्तर – सरकार पहले ज़मीन को 'टेरा न्यूलिअस' (किसी की नहीं) मानती थी। 1992 के 'माबो केस' में ऑस्ट्रेलियाई हाई कोर्ट ने इसे 'कानूनी अवैधता' घोषित किया, जिससे मूल निवासियों के ज़मीन पर ऐतिहासिक दावों को मान्यता मिली और उनके भूमि अधिकारों के आंदोलनों को बल मिला।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. यूरोपीय देशों ने उपनिवेश क्यों स्थापित किए? कोई दो मुख्य कारण बताइए।

› पहला कारण था 'new markets' की तलाश। उन्हें अपने तैयार माल को बेचने के लिए नए-नए बाज़ार चाहिए थे, जहां वे ज़्यादा मुनाफा कमा सकें।

› दूसरा कारण था 'raw materials' की ज़रूरत। उनके उद्योगों को चलाने के लिए कच्चा माल जैसे कपास, मसाले, खनिज आदि चाहिए थे, जो उन्हें इन उपनिवेशों से सस्ते दाम पर मिल जाते थे।

उत्तर – मुख्य कारण व्यापारिक विस्तार और कच्चे माल की आपूर्ति के लिए नए बाज़ारों और संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करना था।

उदाहरण 2. 'नयी दुनिया' के किन्हीं दो देशों के नाम और उनके नामकरण का आधार बताओ.

› पहला देश: 'अमेरिका'. इसके नामकरण का आधार यह है कि यह नाम 'अमेरिगो वेसपुकी' नामक एक यात्री के यात्रा-वृत्तांत के छपने के बाद प्रयोग में आया.

› दूसरा देश: 'कनाडा'. इस देश का नाम 'कनाटा' शब्द से निकला है, जिसका अर्थ ह्यूरॉन-इरोक्वाइस की भाषा में 'गाँव' था.

उत्तर – अमेरिका: अमेरिगो वेसपुकी के यात्रा-वृत्तांत के कारण। कनाडा: 'कनाटा' (गाँव) शब्द से।

उदाहरण 3. उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों की जीविका के मुख्य साधन क्या थे, और वे संसाधनों का उपयोग कैसे करते थे?

› सबसे पहले पहचानो कि उनके मुख्य जीविका के साधन क्या थे. पाठ में 'मछली और मांस खाते थे, और सब्ज़ियाँ तथा मकई उगाते थे' लिखा है, तो इसका मतलब है शिकार और खेती.

› दूसरा, यह बताओ कि वे संसाधनों का उपयोग कैसे करते थे. किताब में साफ़ है कि 'वे उतने ही जानवर मारते, जितने की उन्हें भोजन के लिए ज़रूरत होती थी'.

› इन दोनों बिंदुओं को मिलाकर एक स्पष्ट उत्तर बनाओ.

उत्तर – उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों की जीविका के मुख्य साधन शिकार (खासकर बाइसन और मछली) और खेती (सब्ज़ियाँ और मकई) थे. वे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग केवल अपनी तात्कालिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए करते थे, यानी 'उतने ही जानवर मारते' जितने की उन्हें भोजन के लिए ज़रूरत होती थी, और 'ज़रूरत से अधिक उत्पादन नहीं करते थे' ताकि प्रकृति का संतुलन बना रहे.

उदाहरण 4. यूरोपीय व्यापारियों ने उत्तरी अमेरिका में मूल निवासियों के साथ व्यापार में कौन-कौन से मुख्य सामानों का आदान-प्रदान किया और इसका मूल निवासियों पर क्या नकारात्मक प्रभाव पड़ा?

› सबसे पहले, यूरोपीय व्यापारी 'फिश' और 'फर' यानी मछली और रोएँदार खाल की तलाश में उत्तरी अमेरिका आए।

› उन्होंने मूल निवासियों को 'ब्लैंकेट्स' (कंबल), 'आयरन पॉट्स' (लोहे के बर्तन) और 'गन्स' (बंदूकें) जैसी चीज़ें दीं।

› इन चीज़ों के साथ उन्होंने 'अल्कोहल' (शराब) भी दी, जिससे मूल निवासी पहले परिचित नहीं थे।

› शराब की वजह से मूल निवासियों को इसकी 'एडिक्शन' हो गई, यानी लत लग गई।

› इस लत का फायदा उठाकर यूरोपीय व्यापारियों ने अपनी 'टर्म्स ऑफ ट्रेड' यानी व्यापार की शर्तें थोपीं, जिससे मूल निवासियों को नुकसान हुआ और वे शोषण का शिकार होने लगे।

उत्तर – यूरोपीय व्यापारियों ने मछली और रोएँदार खाल के बदले में कंबल, लोहे के बर्तन, बंदूकें और शराब दी। शराब की लत के कारण मूल निवासियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिससे यूरोपीय लोग अपनी शर्तों पर व्यापार करने में सक्षम हो गए।

उदाहरण 5. यूरोपीय लोग मूल निवासियों को 'असभ्य' क्यों मानते थे? दो कारण बताओ।

› यूरोपीय लोगों के लिए 'सभ्य' होने के मानदंड क्या थे, यह पहचानो। वे 'साक्षरता', 'संगठित धर्म' और 'शहरीपन' को सभ्यता का आधार मानते थे।

› अब देखो कि मूल निवासी इन मानदंडों पर खरे उतरते थे या नहीं। मूल निवासी न तो यूरोपियों की तरह साक्षर थे, न उनके जैसा संगठित धर्म मानते थे, और न ही शहरों में रहते थे।

› इन भिन्नताओं के आधार पर स्पष्ट करो कि क्यों यूरोपीय उन्हें 'असभ्य' कहते थे। क्योंकि मूल निवासी यूरोपीय मानदंडों को पूरा नहीं करते थे, इसलिए यूरोपीय उन्हें 'असभ्य' मानते थे।

उत्तर – यूरोपीय लोग मूल निवासियों को 'असभ्य' मानते थे क्योंकि वे साक्षर नहीं थे और उनका कोई संगठित धर्म या शहरी जीवन शैली नहीं थी, जो यूरोपीय लोगों के लिए सभ्यता के प्रमुख आधार थे।

उदाहरण 6. संयुक्त राज्य अमेरिका ने 19वीं सदी में अपना क्षेत्र कैसे बढ़ाया? कोई दो तरीके बताओ।

› पहला तरीका था 'खरीद' (purchase) – अमेरिका ने दूसरे देशों से बड़े-बड़े इलाके खरीदे। जैसे, "United States of America purchased several huge territories." उन्होंने फ्रांस से 'लुइसियाना परचेज़' (Louisiana Purchase) किया, और रूस से 'अलास्का' (Alaska) खरीदा।

› दूसरा तरीका था 'युद्ध' (war) – कई लड़ाइयों में जीतकर भी उन्होंने जमीन हासिल की। "He also won land in war - most of southern USA was won from Mexico." मतलब दक्षिणी अमेरिका का ज़्यादातर हिस्सा मेक्सिको से युद्ध में जीता गया था।

› इन दोनों तरीकों से उन्होंने अपने देश का नक्शा बहुत बड़ा कर लिया, लेकिन इसमें अक्सर मूल निवासियों की सहमति नहीं ली गई।

उत्तर – संयुक्त राज्य अमेरिका ने 19वीं सदी में अपना क्षेत्र 'जमीन खरीद कर' (जैसे फ्रांस से लुइसियाना) और 'युद्ध में जमीन जीतकर' (जैसे मेक्सिको से दक्षिणी हिस्से) बढ़ाया।

उदाहरण 7. यूरोपीय लोगों और मूल निवासियों के भूमि के प्रति दृष्टिकोण में क्या अंतर था? दास प्रथा क्यों शुरू हुई और यह कब समाप्त हुई?

› पहले यूरोपीय लोगों का दृष्टिकोण समझो: वे ज़मीन को एक 'संपत्ति' मानते थे जिसे खरीदा-बेचा जा सकता था। उनका मुख्य लक्ष्य 'खेती का विकास' कर 'ऊँचे मुनाफे' कमाना था।

› फिर मूल निवासियों का दृष्टिकोण देखो: उनके लिए ज़मीन 'पवित्र' थी, उनके पुरखों और संस्कृति से जुड़ी हुई, जिसे खरीदा या बेचा नहीं जा सकता था।

› दास प्रथा का कारण: यूरोपीय लोगों के लिए दक्षिणी इलाकों की जलवायु 'गर्म' थी, और मूल निवासियों को दास बनाने पर 'बड़ी संख्या में मौत' हुई। इसलिए, बागान-मालिकों ने 'अफ्रीका से दास खरीदे' खेतों में काम करवाने के लिए।

› दास प्रथा का अंत: '1861-65' में दासता समर्थकों और विरोधियों के बीच 'युद्ध हुआ', जिसमें विरोधियों की जीत हुई और 'दास प्रथा खत्म कर दी गई'।

› अंतिम परिणाम: हालांकि दास प्रथा समाप्त हो गई, लेकिन अफ्रीकी मूल के लोगों को 'नागरिक स्वतंत्रताओं' के लिए 20वीं सदी तक संघर्ष करना पड़ा।

उत्तर – यूरोपीय लोग भूमि को एक संपत्ति मानते थे जिसका उपयोग मुनाफे के लिए किया जा सकता था, जबकि मूल निवासियों के लिए भूमि एक पवित्र इकाई थी जिसे खरीदा या बेचा नहीं जा सकता था। दास प्रथा की शुरुआत अफ्रीकी लोगों को बागानों में काम कराने के लिए हुई क्योंकि यूरोपीय लोग गर्म जलवायु में काम नहीं कर पाते थे और मूल निवासियों की दासता विफल रही। यह प्रथा 1861-65 के गृह युद्ध के बाद समाप्त हुई, हालाँकि अफ्रीकी मूल के अमेरिकियों को पूर्ण नागरिक अधिकार 20वीं सदी में मिले।

उदाहरण 8. मूल निवासियों की ज़मीन से बेदखली की प्रक्रिया और 'रिजर्वेशन' के गठन को संक्षेप में समझाइए।

› पहले, यूरोपीय प्रवासी अपनी बस्तियाँ फैलाना चाहते थे, जिसके लिए उन्हें और ज़मीन चाहिए थी।

› उन्होंने मूल निवासियों से ज़मीन खरीदने के लिए 'समझौते' किए, लेकिन अक्सर ये 'धोखे भरे' होते थे, और कीमतें बहुत 'कम' होती थीं।

› जब मूल निवासियों ने ज़मीन छोड़ने से इनकार किया, तो उन्हें 'जबरदस्ती हटा दिया गया', जैसे 'राष्ट्रपति जैक्सन' ने 'चिरोकी कबीले' के साथ किया।

› इस बेदखली के पीछे तर्क ये था कि मूल निवासी ज़मीन का 'सही इस्तेमाल नहीं' करते और 'आलसी' हैं, जो कि एक गलत धारणा थी।

› अंत में, मूल निवासियों को उनकी पारंपरिक ज़मीनों से हटाकर 'छोटे-छोटे सीमित इलाकों' में धकेल दिया गया, जिन्हें 'रिजर्वेशन' कहा गया। इन जगहों का अक्सर उनसे 'कोई पुराना रिश्ता नहीं' होता था।

उत्तर – संयुक्त राज्य अमेरिका में यूरोपीय प्रवासियों द्वारा अपनी बस्तियों के विस्तार के लिए मूल निवासियों को धोखे भरे समझौतों और बलपूर्वक उनकी ज़मीन से बेदखल किया गया। उन्हें 'आलसी' और ज़मीन का सही उपयोग न करने वाला बताकर, उन्हें 'कम कीमत' देकर या 'वादाखिलाफी' करके हटाया गया। इस प्रक्रिया में, न्यायधीश के पक्ष में फैसला होने के बावजूद, राष्ट्रपति द्वारा 'चिरोकी कबीले' को भी हटाया गया, जिसके कारण हजारों लोगों की मौत हुई। अंततः, उन्हें छोटे, अपरिचित इलाकों में 'रिजर्वेशन' नामक स्थानों पर सीमित कर दिया गया।

उदाहरण 9. 'गोल्ड रश' ने उत्तरी अमेरिका की अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित किया?

› सबसे पहले, 'गोल्ड रश' की वजह से हजारों लोग कैलिफ़ोर्निया आए, जिससे आबादी बढ़ी और काम करने वाले लोग उपलब्ध हुए।

› दूसरा, सोने को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने और नए लोगों को लाने के लिए पूरे महाद्वीप में रेलवे-लाइनों का जाल बिछाया गया। किताब में लिखा है, 'इसके चलते पूरे महाद्वीप में रेलवे-लाइनों का निर्माण हुआ।' 1870 में अमेरिका में और 1885 में कनाडा में रेलवे का काम पूरा हो गया।

› तीसरा, रेलवे के लिए सामान बनाने और बड़े पैमाने पर खेती करने के लिए नए कारखाने लगे। एंड्रयू कार्नेगी जैसे उद्योगपति अमीर बने। जैसे-जैसे कारखाने और शहर बढ़े, '1890 में वह दुनिया की अग्रणी औद्योगिक शक्ति बन चुका था'।

› चौथा, बड़े-बड़े जंगल साफ करके खेत बनाए गए, 'बड़े पैमाने की खेती का भी विस्तार हुआ', जिससे अनाज का उत्पादन बहुत बढ़ गया।

उत्तर – तो बच्चों, 'गोल्ड रश' ने सिर्फ सोना नहीं दिया, बल्कि इसने उत्तरी अमेरिका में रेलवे का जाल बिछाया, औद्योगिक

विकास को गति दी, खेती का विस्तार किया, और 1890 तक अमेरिका को दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक शक्ति बना दिया।

उदाहरण 10. मूल निवासियों को नागरिकता और लोकतांत्रिक अधिकारों से क्यों वंचित रखा गया?

› पहला कदम यह समझना है कि यूरोपीय 'सेटलर्स' खुद को श्रेष्ठ मानते थे।

› दूसरा कदम यह जानना है कि उन्होंने मूल निवासियों को 'पिछड़े हुए आदिमानव' करार दिया। उनके तर्क के अनुसार, मूल निवासियों की 'कोई स्थानबद्ध कृषि नहीं थी', वे 'भविष्य के बारे में न सोचते थे न बचत करते थे' और उनके पास 'शहर नहीं थे'।

› तीसरा कदम है कि इन्हीं तर्कों के आधार पर उन्हें 'नागरिक के रूप में नहीं देखा गया' और 'असमान' माना गया। उन्हें यूरोपीय संस्कृति अपनाने के लिए मजबूर किया गया।

› आखिरी में, इसका परिणाम यह हुआ कि मूल निवासियों को 'वोट देने' और 'संपत्ति का अधिकार' जैसे बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकारों से 'वंचित' रखा गया, ताकि गोरे लोगों का वर्चस्व बना रहे।

उत्तर – मूल निवासियों को यूरोपीय लोगों ने 'पिछड़ा' और 'असमान' माना, उनकी जीवनशैली को कमतर आंकते हुए उन्हें लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकता से वंचित रखा ताकि यूरोपीय 'सेटलर्स' का प्रभुत्व बना रहे।

उदाहरण 11. 1934 के 'इंडियन रीऑर्गनाइजेशन एक्ट' से पहले मूल निवासियों के सामने कौन सी दो मुख्य आर्थिक समस्याएँ थीं, और इस एक्ट ने उन्हें कैसे हल किया?

› पहला कदम: एक्ट से पहले की मुख्य आर्थिक समस्याओं को पहचानना। हमने पढ़ा कि उन्हें ज़मीन खरीदने और ऋण लेने का अधिकार नहीं था।

› दूसरा कदम: यह समझना कि इन समस्याओं से उनका जीवन कैसे प्रभावित होता था। जब ज़मीन और ऋण का अधिकार नहीं था, तो वे खेती या कोई व्यापार ठीक से नहीं कर पाते थे, जिससे गरीबी और बढ़ जाती थी।

› तीसरा कदम: 'इंडियन रीऑर्गनाइजेशन एक्ट' के प्रावधानों को देखना। एक्ट ने उन्हें 'ज़मीन खरीदने' और 'ऋण लेने' का अधिकार दिया।

› चौथा कदम: यह बताना कि इन प्रावधानों ने समस्याओं को कैसे हल किया। अब वे अपनी ज़मीन खरीद सकते थे, उस पर खेती कर सकते थे या घर बना सकते थे, और बैंकों से कर्ज़ लेकर अपना जीवन बेहतर बना सकते थे।

उत्तर – 1934 के 'इंडियन रीऑर्गनाइजेशन एक्ट' से पहले मूल निवासियों के सामने मुख्य आर्थिक समस्याएँ थीं कि उन्हें 'ज़मीन खरीदने' और 'ऋण (कर्ज़) लेने' का अधिकार नहीं था। इस एक्ट ने इन दोनों समस्याओं को हल किया, उन्हें ज़मीन खरीदने और बैंकों से ऋण प्राप्त करने का कानूनी अधिकार देकर, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

उदाहरण 12. ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के 'स्वप्नकाल' की अवधारणा को स्पष्ट करें। यूरोपीय लोग इसे क्यों नहीं समझ पाते थे?

› पहला कदम है 'स्वप्नकाल' या 'Dreamtime' की परिभाषा को समझना। यह ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों, 'एबोरिजिनीज़' की एक परंपरा थी, जहाँ वे अपने अतीत और वर्तमान को एक ही मानते थे। यह सिर्फ एक समय की अवधारणा नहीं, बल्कि उनके पूरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विश्वासों का आधार था।

› दूसरा कदम है उनकी मान्यता को स्पष्ट करना: 'In their own traditions, they had not come to Australia, but had always been there.' मतलब, वे मानते थे कि वे ऑस्ट्रेलिया में कहीं से आए नहीं थे, बल्कि हमेशा से यहीं थे, और उनके पूर्वजों के कार्य 'स्वप्नकाल' में ही हुए थे, जो आज भी उनके जीवन को प्रभावित करते हैं।

› तीसरा कदम है यूरोपीय लोगों की समझ पर बात करना: 'It blurred the distinction between past and present.' यूरोपीय लोग समय को बहुत अलग तरीके से देखते थे, उनके लिए अतीत बीता हुआ होता है और वर्तमान अभी चल रहा है। इस कारण से, वे 'स्वप्नकाल' की इस अवधारणा को समझ नहीं पाते थे, जहाँ समय की ये दीवारें नहीं थीं।

› आखिरी में, हम समझेंगे कि यूरोपीय लोगों के लिए 'स्वप्नकाल' एक जटिल अवधारणा थी क्योंकि यह उनके 'रैखिक' समय के विचार से बिल्कुल अलग थी।

उत्तर – 'स्वप्नकाल' (Dreamtime) ऑस्ट्रेलिया के 'एबोरिजिनीज़' की एक ऐसी अवधारणा थी जहाँ अतीत, वर्तमान और भविष्य आपस में जुड़े हुए थे। वे मानते थे कि उनके पूर्वजों ने सृष्टि की रचना 'स्वप्नकाल' में की थी, और ये घटनाएँ आज भी उनकी धरती और उनके जीवन को प्रभावित करती हैं। यूरोपीय लोग इसे नहीं समझ पाते थे क्योंकि वे समय को एक सीधी रेखा में देखते थे, जहाँ अतीत और वर्तमान में स्पष्ट अंतर होता है, जबकि 'स्वप्नकाल' में यह अंतर धुंधला हो जाता

था।

उदाहरण 13. ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती आर्थिक विकास के मुख्य स्तंभ क्या थे और 'अप्रवासन नीति' ने इस विकास को कैसे प्रभावित किया?

› देखो, ऑस्ट्रेलिया का शुरुआती आर्थिक विकास कुछ खास चीज़ों पर टिका था। सबसे पहले, 'भेड़ों के विशाल फार्म और खानें' विकसित हुईं, जहाँ से बहुत सारा ऊन और खनिज निकला।

› फिर, 'मदिरा बनाने हेतु अंगूर के बाग और गेहूं की खेती' भी शुरू हुई। इन सबने मिलकर ऑस्ट्रेलिया को आर्थिक रूप से मज़बूत बनाया।

› अब इसी के साथ-साथ 'अप्रवासन नीति' ने एक अहम भूमिका निभाई। शुरुआत में, 'चीनी आप्रवासियों ने सस्ता श्रम मुहैया कराया', जैसे कि अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया में हुआ था।

› लेकिन, फिर 'गैर-गोरों पर बढ़ती हुई निर्भरता से जन्मी घबराहट' के चलते सरकारों ने 'चीनी आप्रवासियों को प्रतिबंधित कर दिया'। इसका मतलब था, 'गैर-गोरों को बाहर रखने के लिए सरकार ने एक नीति अपनाई'।

› तो 'गोरे ऑस्ट्रेलिया' की यह नीति 1974 तक चली, जहाँ सिर्फ़ यूरोपीय मूल के लोगों को ही प्राथमिकता दी जाती थी। आर्थिक विकास तो हुआ, पर बहुत भेदभाव के साथ।

उत्तर – ऑस्ट्रेलिया का आर्थिक विकास मुख्यतः भेड़ फार्म, खदानों, अंगूर के बागानों और गेहूं की खेती पर आधारित था। इस विकास के साथ 'गैर-गोरों' को प्रतिबंधित करने वाली अप्रवासन नीति भी लागू की गई, जिसमें चीनी और अन्य एशियाई प्रवासियों को बाहर रखा गया, जिसे 'गोरे ऑस्ट्रेलिया' नीति कहा जाता था।

उदाहरण 14. ऑस्ट्रेलिया में 'द ग्रेट ऑस्ट्रेलियाई साइलेंस' का क्या अर्थ था और इसने कैसे बदलाव की नींव रखी?

› पहला कदम, हम समझेंगे 'द ग्रेट ऑस्ट्रेलियाई साइलेंस' क्या था। यह इतिहासकारों की वह 'चुप्पी' थी जिसके तहत उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के इतिहास और संस्कृतियों को अपने लेखन में शामिल नहीं किया, उन्हें अनदेखा कर दिया।

› दूसरा कदम, हम इसके प्रभाव पर ध्यान देंगे। इस व्याख्यान ने लोगों को झकझोरा और एक 'बिजली की तरंग' की तरह काम किया। इसने लोगों को सोचने पर मजबूर किया कि मूल निवासियों की संस्कृति और उनके इतिहास को क्यों नहीं बताया गया।

› तीसरा कदम, हम देखेंगे कि इससे बदलाव की नींव कैसे पड़ी। इस चुप्पी के टूटने से मूल निवासियों की संस्कृतियों को 'विशिष्ट संस्कृतियों' के रूप में समझने की चाहत बढ़ी, विश्वविद्यालयों में उनके अध्ययन के विभाग खुले, कला दीर्घाओं और संग्रहालयों में उनकी कला को सम्मान मिला, और सबसे महत्वपूर्ण, मूल निवासियों ने अपने इतिहास लिखना शुरू किया। यह सब एक 'पुनरुत्थान' की शुरुआत थी।

› चौथा कदम, हम यह भी जोड़ेंगे कि इसने आगे चलकर 'भूमि अधिकार' और 'बच्चों के विस्थापन' जैसे मुद्दों पर भी ध्यान आकर्षित किया और सरकारों को इन गलतियों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने पर मजबूर किया।

उत्तर – 'द ग्रेट ऑस्ट्रेलियाई साइलेंस' 1968 में डब्ल्यू.ई.एच. स्टैनर द्वारा दिया गया एक व्याख्यान था, जो इतिहासकारों द्वारा मूल निवासियों के इतिहास और संस्कृति को नज़रअंदाज़ करने की 'चुप्पी' को उजागर करता था। इसने ऑस्ट्रेलिया में मूल निवासियों के प्रति समझ और सम्मान की एक नई लहर पैदा की, जिससे उनकी संस्कृतियों के अध्ययन, संरक्षण और 'भूमि अधिकारों' व ऐतिहासिक अन्याय के खिलाफ आंदोलनों को बल मिला, जिससे अंततः 'बहुसंस्कृतिवाद' जैसी नीतियों और सार्वजनिक माफी का मार्ग प्रशस्त हुआ।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर 'साम्राज्यवाद' और 'उपनिवेशीकरण' की परिभाषा और उनके कारणों पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं।

• यह भाग अक्सर एक नंबर के वस्तुनिष्ठ प्रश्न (objective questions) के रूप में आता है, जिसमें किसी देश के नामकरण का आधार पूछा जाता है।

• उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों की जीवनशैली, खासकर प्रकृति के प्रति उनके सम्मान और ज़मीन को संपत्ति न मानने के दृष्टिकोण को ध्यान से समझना, क्योंकि यह उनके और यूरोपीय लोगों के बीच के अंतर को स्पष्ट करता है, जो अक्सर परीक्षा में पूछा जाता है.

• यह प्रश्न अक्सर पूछा जाता है कि यूरोपीय व्यापार का मूल निवासियों पर क्या प्रभाव पड़ा, खासकर शराब के संदर्भ में। इसे विस्तार से समझाना महत्वपूर्ण है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों पक्षों की धारणाओं को स्पष्ट रूप से समझें और उनके कारणों का भी उल्लेख करें। रूसो और वर्ड्सवर्थ जैसे विचारकों के मतों को उदाहरण के साथ प्रस्तुत करें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर क्षेत्रीय विस्तार के तरीकों और मूल निवासियों पर इसके प्रभाव के बारे में प्रश्न पूछे जाते हैं। उन देशों और स्थानों के नाम याद रखें जिनसे जमीन खरीदी या जीती गई।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें भूमि उपयोग पर अलग-अलग सोच, दास प्रथा का उदय और अंत, तथा उसके सामाजिक परिणामों पर प्रश्न आ सकते हैं। गृह युद्ध के वर्ष और दास प्रथा के कारण-परिणामों को ध्यान से पढ़ें।

• इस टॉपिक से 'ट्रेल ऑफ टीयर्स' और 'रिजर्वेशन' पर अक्सर लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न आते हैं। जॉर्जिया के चिरोकी कबीले का उदाहरण याद रखना।

• 'गोल्ड रश' सिर्फ सोने की कहानी नहीं है, बल्कि यह उत्तरी अमेरिका के औद्योगिक विकास और रेलवे के फैलाव का एक महत्वपूर्ण कारण था। इसे विस्तार से समझकर लिखना, यही परीक्षा में अच्छे अंक दिलाएगा।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर 'लोकतांत्रिक अधिकारों की सीमाएँ' या 'मूल निवासियों के संघर्ष' पर आधारित प्रश्न आते हैं। 'इंडियन रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट' और 'डेनिअल पॉल' के तर्क को खास तौर पर याद रखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'मेरियम सर्वे', 'इंडियन रीऑर्गनाइजेशन एक्ट' और 1950-60 के दशक में 'मुख्यधारा में शामिल' करने के प्रयासों के बारे में प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं। इन तीनों बिंदुओं को उदाहरणों के साथ अच्छे से तैयार कर लेना।

• यह 'स्वप्नकाल' की अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसे ध्यान से समझें और लिखें कि क्यों यूरोपीय लोग इसे समझ नहीं पाए।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें 'आर्थिक विकास' और 'सामाजिक नीति' का गहरा संबंध दिखाया गया है। 'अप्रवासन नीति' के कारण, 'गैर-गोरों' पर लगाए गए प्रतिबंधों और 'गोरे ऑस्ट्रेलिया' नीति पर सीधे प्रश्न आ सकते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में, 'द ग्रेट ऑस्ट्रेलियाई साइलेंस', 'बहुसंस्कृतिवाद', 'टेरा न्यूलिअस' का अर्थ और इसके खिलाफ माबो केस के महत्व को ज़रूर याद रखना। बच्चों के विस्थापन पर माफी की घटना भी महत्वपूर्ण है।

एक नज़र में रिवीज़न

› यूरोपीय देशों का व्यापार विस्तार व दूरदराज के क्षेत्रों पर राजनीतिक-आर्थिक नियंत्रण।

› अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड के नाम यूरोपीय यात्रियों/भाषाओं से आए।

› मूल निवासी: 30,000 साल पहले एशिया से आए, शिकार/खेती, ज़मीन पर मिल्कियत नहीं.

› यूरोपीय ने मछली/फर व्यापार किया, शराब देकर मूल निवासियों का शोषण किया।

› यूरोपीय: 'सभ्य' vs 'असभ्य'; मूल निवासी: 'लालची' यूरोपीय, 'उपहार' vs 'माल' का अंतर।

› USA, Canada 18वीं सदी अंत में बने; खरीद, युद्ध से वस्तिार; मूल नविासयिों की अनदेखी।

› यूरोपीय: भूमि को लाभ हेतु संपत्ति; मूल निवासी: भूमि पवित्र। अफ्रीकी दास प्रथा 1861-65 में समाप्त।

› मूल निवासियों की ज़मीन से बेदखली, धोखे, 'रिजर्वेशन' में सीमित करना।

› गोल्ड रश से रेलवे, उद्योग, खेती का विस्तार; US 1890 तक अग्रणी औद्योगिक शक्ति बना।

› लोकतांत्रिक अधिकार सिर्फ गोरों को, मूल निवासियों को नागरिकता से वंचित रखा गया; बाद में कुछ अधिकार मिले पर संघर्ष जारी।

› मेरियम सर्वे (1928), इंडियन रीऑर्गनाइजेशन एक्ट (1934), आत्मनिर्णय का संघर्ष, संवैधानिक अधिकार (1982)।

› एबोरिजिनीज़ 40k साल पहले, 'स्वप्नकाल' (अतीत-वर्तमान एक), यूरोपीय आगमन (डच, तासमान, कुक)।

› ऑस्ट्रेलिया का आर्थिक विकास (ऊन, गेहूं, सोना); 'गैर-गोरे' प्रवासियों पर प्रतिबंध (1974 तक)।

› ऑस्ट्रेलिया में 'साइलेंस' टूटा, 'संस्कृति' पहचानी, 'भूमि अधिकार' मिले, 'माफी' मांगी गई।